सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 30 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 124, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

जस्टिस बीआर गवई बनेंगे भारत के 52वें सीजेआई

इनसाइड स्वराज इंडिया के खुलासे के बाद आईनेंस फैक्ट्री में मचा... » Pg03

पूर्व रॉ चीफ जोशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

हमले के डर से घबराहट में जी रहा पाकिस्तान

भारत सिखाएगा सबक, पाक सूचना-प्रसारण मंत्री ने किया बयान जारी, मोदी सरकार ने एनएसएबी का किया पुनर्गठन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, खासकर हाल के पहलगाम आतंकी हमले के बाद, मोदी सरकार ने एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाया है। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का पुनर्गठन कर दिया है, जिसके तहत पूर्व रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है और पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

नए बोर्ड में सात सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें तीन सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। इनमें पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पी.एम. सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.के. सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह को भी बोर्ड में जगह दी गई है। सातवें सदस्य के रूप में भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त बी. वेंकटेश वर्मा को शामिल किया गया है। यह पुनर्गठन राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और वर्तमान संकट से निपटने के लिए सरकार की गंभीरता को दर्शाता है।

इससे पहले, बढ़ते वैश्विक दबाव का सामना करते हुए और घबराए पाकिस्तानी नेतृत्व ने घातक पहलगाम हमले के बाद भारत के खिलाफ आरोप लगाना शुरू कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पाकिस्तान के केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक बयान जारी कर दावा किया कि पाकिस्तान के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत अगले 24-36 घंटों के भीतर देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने की योजना बना रहा है। देश के सैन्य प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी नौसेना के जहाज, जिनमें उसके फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल हैं, किसी भी संभावित भारतीय गतिविधि से निपटने में सक्षम होने के लिए समुद्र में अपने-अपने बंदरगाहों पर पहले से ही तैनात हैं।

पहलगाम हमले ने देश में आक्रोश फैला दिया है, जिसमें निहत्थे नागरिकों और पर्यटकों को निशाना बनाया गया था। भारत ने साफ कर दिया है कि वह हमलावरों को सजा देगा, और पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत अगले 24-36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

पहलगाम के गुनहगारों पर होगी अकल्पनीय कार्रवाई

भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले के दोषी आतंकवादियों और पीछे छिपे उनके आकाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वादा किया है कि पहलगाम के गुनहगारों को ऐसी सजा देंगे जो अकल्पनीय होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए, पाल ने आतंकवाद पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर देते हुए कहा, आज पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है, जबकि पूरी दुनिया भारत का समर्थन कर रही है।

तनाव के बीच पीएम मोदी का रूस दौरा स्थगित

पीएम नरेंद्र मोदी का रूस दौरा स्थगित हो गया है। वह रूस में विक्ट्री डे परेड में भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शामिल होने वाले थे, लेकिन अब उनके कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान से उपजे तनाव के चलते दौरे को रद्द करने का फैसला हुआ है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाली विक्ट्री डे परेड में शामिल होने वाले थे। इसे लेकर दोनों देशों में उत्साह था, लेकिन कुछ दिन पहले ही इसे स्थगित करने की जानकारी आई है। पीएम नरेंद्र मोदी के स्थान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नई मुसीबत

एसीबी ने आप नेताओं के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

दो हजार करोड़ के क्लासरूम घोटाले में फंसे सिसोदिया और सत्येंद्र जैन

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उन पर दिल्ली पुलिस की एंटी करप्शन ब्यूरो ने क्लासरूम के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एफआईआर दर्ज की। अधिकारियों ने बताया कि आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान 12,748 क्लासरूम या बिल्डिंग के निर्माण से जुड़ा घोटाला 2,000 करोड़ रुपये का है।

एसीबी के चीफ मधुर वर्मा ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'सीवीसी के चीफ टेक्निल एग्जामिनर की रिपोर्ट में प्रोजेक्ट में कई विसंगतियां बताई गई थीं और रिपोर्ट को लगभग तीन साल तक दबाए रखा गया। सक्षम प्राधिकारी से धारा 17-ए पीओसी अधिनियम के तहत इजाजत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया।'

बीजेपी सांसद ने की थी शिकायत

अधिकारियों ने बताया कि कथित तौर पर यह प्रोजेक्ट आप से जुड़े कुछ ठेकेदारों को दिया गया था। इसमें लागत में बढ़ोतरी देखी गई और तय समय सीमा के अंदर काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट के लिए एडवाइजर और आर्किटेक्ट को सही प्रोसेस का पालन किए बैगर ही नियुक्त कर लिया गया। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने 2019 में जोन 23, 24 और 28 के सरकारी स्कूलों में एडिशनल क्लासरूम के निर्माण में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था कि सरकार ने एक क्लासरूम 28 लाख रुपये खर्च किए, जबकि एक क्लास को बनाने में महज पांच लाख रुपये लगते हैं।

कोई काम समय पर नहीं हुआ

टेंडर के अनुसार, एक स्कूल रूम को बनाने की एकमुश्त लागत लगभग 24.86 लाख रुपये प्रति कमरा है, जबकि दिल्ली में ऐसे कमरे आमतौर पर लगभग 5 लाख रुपये में बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा यह आरोप लगाया गया है कि परियोजना 34 ठेकेदारों को दी गई थी। इनमें से ज्यादातर आप से जुड़े हुए थे। वेरिफिकेशन के दौरान पता चला कि फाइनेंसियल ईयर 2015-16 के लिए वित्त समिति की बैठकों में यह फैसला लिया गया था कि प्रोजेक्ट को मंजूर की गई लागत पर जून 2016 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसमें भविष्य में बढ़ोतरी की कोई गुंजाइश नहीं होगी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि इन निर्देशों के बावजूद तय समय सीमा के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ।

श्री शिव परिवार सेवा समिति ने फूंका पुतला

पहलगाम में निर्दोष हिन्दू सैलानियों की निर्मम हत्या के विरोध में श्रद्धांजलि सभा एवं पुतला दहन शहर में जारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। श्री शिव परिवार सेवा समिति कानपुर नगर ने पहलगाम में मुस्लिम आतंकियों द्वारा मारे गए निर्दोष हिन्दू सैलानियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन समिति के कार्यालय निकट दरोगा चौराहा बर्रा–2 में किया . समिति नें पाकिस्तान के निर्देशन में नृसंश मुस्लिम आतंकियों द्वारा किए गए ।

इस जघन्य हत्याकांड का विरोध करते हुए शास्त्री चौक पर सायं काल 6.30. बजे पाकिस्तान का पुतला दहन किया. इस दौरान दुर्गेश तिवारी, दीपक गौर, राजेंद्र भट्ट, राम अवतार, विजय कुमार द्विवेदी, वाल्मीकि गुप्ता, धीरज कश्यप, किशन सजनानी, नितिन कुमार,राहुल अवस्थी,विवेक मिश्रा,नरेंद्र गुप्ता, अरुण कनौजिया, निखिल कुशवाहा, देवेंद्र द्विवेदी, अरविंद भाटिया,राजेश शर्मा, लल्लन अवस्थी ,विवेक मेहरोत्रा, अमित अवस्थी, श्रीचंद्र अवस्थी, भानु पांडे, सतीश शर्मा,सुनील कुमार, तारकेश्वर सिंह,गंगा प्रसाद पांडे,राम प्रकाश गुप्ता, रविकांत द्विवेदी, प्रदीप दुबे,सुनील शुक्ला, संदीप मिश्रा,मनोज सिंह,नीरज दीक्षित,पंडित लाल शर्मा रहे।

कानपुर शहर में आज राहुल गांधी व बिहार के राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद कानपुर पहुंच रहे हैं

। राज्यपाल पहले दोपहर में आंतकियों की गोली का शिकार बने शुभम द्विवेदी के घर महाराजपुर स्थित रघुवीरनगर जाएंगे।

इसके बाद वह अगले दिन कानपुर के कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वहीं, जिलाध्यक्ष ग्रामीण संदीप शुक्ला ने बताया कि राहुल गांधी शाम 3 बजे चकेरी एयरपोर्ट से सीधे शुभम द्विवेदी के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

इसके बाद कांग्रेस नेताओं से भी भेंट करेंगे। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतजाम किए गए हैं।

खेलों में भी निपुण होंगे परिषदीय स्कूलों के बच्चें

हर स्कूल में बनेगा स्पोर्ट्स क्लब

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों के बच्चे केवल शैक्षणिक ही नहीं बल्कि खेलकूद गतिविधियों में भी निपुण बनेंगे। जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में स्पोर्ट्स क्लब का गठन किया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार की खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान के तहत प्रतिदिन खेल गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। जिले के कुल 1925 परिषदीय स्कूलों में छात्रों को पारंपरिक खेलों के साथ–साथ एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम आदि खेलों में प्रशिक्षित किया जाएगा। स्पोर्ट्स ग्रांट से प्राप्त धनराशि से स्कूलों में खेल सामग्री की खरीद की जा चुकी है इस हेतु प्राइमरी स्कूलों के लिए 5000 रुपए एवं जूनियर स्कूलों के लिए 10000 रुपए खेल सामग्री के लिए प्रदान किए गए थे। मैदान की उपलब्धता और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार सामग्री खरीदने की निर्देश दिए गए थे। इसके साथ ही, विद्यालयों में पहले अंतरविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी, फिर विजेता बच्चे न्याय पंचायत स्तर, ब्लॉक स्तर, जिले स्तर,

मंडल स्तर, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकेंगे।

हर स्कूल में गठित होगा स्पोर्ट्स क्लब

शासन के निर्देश पर सभी उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में स्पोर्ट्स क्लब बनाए जाएंगे। इन क्लबों के माध्यम से खो–खो, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, ब्लाइंड क्रिकेट और दिव्यांगजन के लिए विशेष खेल गतिविधियां भी कराई जाएंगी।

'स्वराज इंडिया' के खुलासे के बाद आर्डनेंस फैक्ट्री में मचा हडकंप

कोलकाता में बैठे युवक की कानपुर आर्डनेंस फैक्ट्री में हाजिरी का मामला खुला तो जांच पडताल शुरू

- विजयनगर कालपीरोड स्थित ओएफसी फैक्ट्री में चल रहा था अरसे से घालमेल
- स्थानीय अधिकारी अभी भी मामले को दबाने में जुटे
- सैन्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा को लेकर बरती जा रही बड़ी लापरवाही

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कितनी कमजोर और लचर है इसका खुलासा कानपुर की आर्डनेंस फैक्ट्री में लग रही फर्जी हाजिरी से हो रहा है। एक हजार किमी दूर कोलकाता बैठे कर्मचारी की हाजिरी ओएफसी में कितनी आसानी से लगाई जा रही थी। इंटरनल इनपुट है कि ओएफसी के कुछ अधिकारियों के सिंडीकेट से इस तरह से खेल को अंजाम दिया जा रहा था। वहीं लोग बचाने का कुचक्र रच रहे हैं। फिलहाल जांच के आदेश दिए गए हैं लेकिन वहीं अनुभाग स्तर पर सुबूत मिटाए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

'स्वराज इंडिया' ने 28 अप्रैल 2025 के एडिशन में खुलासा किया था विजयनगर कालपीरोड स्थित आर्डनेंस फैक्ट्री के सीटीआर अनुभाग में फर्जी हाजिरी के खेल को कैसे अंजाम दिया जा रहा था। इसमें टेक्नीशियन पद पर तैनात अतनू चक्रवती (टिकट नंबर 179 पर्सनल नंबर 9762) कोलकाता में था

लेकिन ओएफसी में 8 अप्रैल 2025 से लेकर 11 अप्रैल 2025 तक इलेक्ट्रानिक कार्ड हाजिरी सिस्टम के माध्यम से साथी अरविंद सिंह (पर्सनल नंबर 10381 टिकट नंबर 71) की मिलीभगत से दनादन पंचिग एवं हस्ताक्षर बनाए जा रहे थे। 12 अप्रैल को भी गेट पर 7.45 पर उसकी इंट्री दिखाई गई, मॉनीटरिंग के दौरान नाइट डयूटी अफसर-एनडीओ ने मामला पकडा। रिपोर्ट के अनुसार हाजिरी रजिस्ट्री पर कर्मचारी के साइन तो थे लेकिन कर्मचारी मौके पर कहीं नहीं मिला। कर्मियों से पूछतांछ की गई लेकिन किसी ने कुछ नही बताया। इसपर एनडीओ ने रजिस्टर पर नोट लिखा कि 'कंइडली मैच द सिग्नेचर ऑफ अतनू चक्रवती वेरीफाई, टीएन 179 फॉम रिकार्ड, ही इज अबसेंट फ्रॉम डयूटी एंड अपसेंट येस पर अटेंडेंस रजिस्टर'। प्रकरण खुलने के बाद भी स्थानीय स्तर पर अधिकारी इसको दबाने का प्रयास करने में जुटे रहे। जब कि इतना गंभीर मामला होने के बाद भी सीसीटीवी सहित अन्य रिकार्ड तक नहीं चेक किए गए इससे समझा जा सकता है कि मिलीभगत थी।

स्वराज इंडिया
सैन्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही
कोलकाता में बैठे युवक की कानपुर में लग रही हाजिरी
विजयनगर स्थित ओएफसी फैक्ट्री में चल रहा घालमेल पकड़ा गया। स्थानीय अधिकारी मामले को दबाने में जुटे
एक्सक्लूसिव
संवेदनशील मामला है: प्रभारी सीएमडी
कानपुर में हैं कई आयुध निर्माणी

आर्डनेंस में पहले भी हो चुके हैं कांड

कानपुर में कई आयुध निर्माणियां हैं। इनमें कालपी रोड विजयनगर में ओएफसी, फील्डगन,स्मार्ल आर्म्स के साथ फूलबाग में पैराशूट आर्डनेंस फैक्ट्रियां हैं। शहर में इसके अलावा अन्य बडे रक्षा प्रतिष्ठान हैं। यहां से सेना को हथियार, तोप, गोला और अन्य साजोसामान भेजे जाते हैं। इसलिए यह शहर काफी संवेदनशील है। कुछ माह पहले कानपुर की आडीनेंस फैक्ट्री में आईएसआई एजेंट बनकर काम कर रहे जूनियर वर्क्स मैनेजर विकास कुमार को एटीएस ने गिरफ्तार किया था, वह हनीट्रेप में फंसकर ओएफसी से जुडी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तानी महिला एंजेट को लीक कर रहा था। अभी एक दिन पहले ही पंजाब के भटिंडा छावनी के नजदीक मोची का काम करने वाले सुनील को सेना की जासूसी करने के आरोप में अरेस्ट किया गया है। वह भी हनीट्रेप में फंसकर छावनी की फोटो अन्य डिटेल भेज रहा था।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

ओएफसी के डीजीएम सुधीर यादव ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में लेकर प्रशासनिक जांच शुरू करा दी गई है। शामिल लोगों को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। इसके बाद विभागीय कार्रवाई होगी। वहीं, आर्डनेंस के प्रभारी सीएमडी अनूप मुखर्जी ने भी कहा था कि यह मामला बहुत संवेदनशील है। इसमें शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

शक के घेरे में पेंटर की मौत!

» परिजनों ने कहा — साजिश के तहत की गई हत्या

» पहली मंजिल पर मिला शव, मौके पर मची अफरा-तफरी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। फजलगंज थाना क्षेत्र के दर्शन पुरवा इलाके में रहने वाले सत्यनारायण तिवारी के निवास पर पुताई का काम कर रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राजेन्द्र के रूप में हुई है, जो पिछले एक महीने से सुन्दर लाल नामक व्यक्ति के मकान 119/500, दर्शनपुरवा में काम कर रहा था। राजेन्द्र का बेटा कल रात से लगातार अपने पिता को फोन कर रहा था, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। लगातार प्रयास के बावजूद संपर्क न हो पाने पर उसे आशंका हुई कि कुछ अनहोनी हो गई है। इसी कारण वह आज सुबह करीब 7: 30 बजे सीधे मौके पर पहुंचा।

मकान की पहली मंजिल पर जब राजेन्द्र का बेटा पहुंचा तो वहां उसने अपने पिता का शव देखा। शव को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत रात के समय ही हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, शव की स्थिति संदिग्ध थी जिससे यह मामला सामान्य मौत नहीं लग रहा। राजेन्द्र के परिजनों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि यह कोई साधारण मौत नहीं बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। उन्होंने फौरन 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को जानकारी दी और फजलगंज थाने में लिखित तहरीर भी दी है।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप साजिशन हत्या को दबाने की हो रही कोशिश

इस मामले को लेकर पीड़ित परिवार का गंभीर आरोप है कि स्थानीय पुलिस उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं ले रही है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने स्पष्ट रूप से हत्या की आशंका जताई है, लेकिन पुलिस इस पूरे मामले को सामान्य मौत बताकर टालने की कोशिश कर रही है। परिजनों ने बताया कि कई बार आग्रह करने के बावजूद पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज नहीं किया है और न ही किसी संदिग्ध से पूछताछ की गई है। इससे परिवार बेहद आहत है और उन्हें न्याय मिलने में संदेह हो रहा है। उनका आरोप है कि इस मौत के पीछे गहरी साजिश है, जिसे पुलिस अनदेखा कर रही है। परिजनों ने प्रशासनिक अधिकारियों से भी इस मामले में दखल देने की मांग की है ताकि सही जांच हो सके और दोषियों को सजा मिले।

पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम के लिए, जांच शुरू

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना के बाद स्थानीय लोग भी स्तब्ध हैं। मोहल्ले में दहशत का माहौल है क्योंकि मृतक राजेन्द्र शांत स्वभाव का व्यक्ति माना जाता था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार रखता था। इस प्रकार उसकी मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं

प्यार की जिद या साजिश?

» एसीपी मोहसिन की पत्नी से अभद्रता, आईआईटी स्कॉलर पर दर्ज होगा केस

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। यौन शोषण की पीड़िता बताने वाली एक आईआईटी स्कॉलर अब खुद गंभीर आरोपों में घिर गई है। एसीपी मोहसिन खान की पत्नी सुहैला सैफ की शिकायत पर कोर्ट ने रावतपुर थाने को आदेश दिया है कि स्कॉलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। सुहैला का आरोप है कि स्कॉलर ने उनके घर में जबरन घुसकर न केवल अभद्रता की, बल्कि झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी। इस मामले में कोर्ट ने पुलिस की निष्क्रियता पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस की स्थिति सोचनीय हो चुकी है।

कोर्ट के आदेश के बावजूद पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

1 अप्रैल 2025 को सुहैला सैफ ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर शिकायत की थी कि एक ढ्ढह्वञ स्कॉलर महिला ने उनके घर में घुसकर उन्हें और उनके बच्चों को धमकाया और उनके वैवाहिक जीवन को खत्म करने की कोशिश की। कोर्ट ने इस पर 16 अप्रैल को रिपोर्ट तलब की और पुलिस ने 18 अप्रैल को रिपोर्ट सौंपी, जिसमें घटना को सत्य बताया गया।

इसके बाद कोर्ट ने 21 अप्रैल को स्पष्ट रूप से कहा कि सुहैला सैफ चाहें तो थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करा सकती हैं।22 अप्रैल को सुहैला सैफ रावतपुर थाने पहुंची और उन्होंने घटना की पूरी तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद उन्होंने 25 अप्रैल को डाक के जरिए थाना प्रभारी को लिखित शिकायत भेजी, मगर फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंतत: जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो सुहैला के वकील ने कोर्ट में दोबारा प्रार्थनापत्र देकर सख्त आदेश की मांग की।

घटना का पूरा ब्यौरा- घर में घुसकर धमकाया

प्रार्थनापत्र में सुहैला सैफ ने बताया कि 1 दिसंबर 2024 की सुबह करीब 10 बजे वे अपने सरकारी आवास में थीं। उनके साथ उनके पति मोहसिन खान, नवजात शिशु और माता-पिता भी मौजूद थे। तभी अचानक एक महिला उनके घर में जबरन घुसी और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। उसने खुद को आईआईटी से पीएचडी कर रही स्कॉलर बताया और कहा कि वह मोहसिन खान से प्रेम करती है और उनसे शादी करना चाहती है। आरोप है कि उस महिला ने कहा कि तुम और तुम्हारे बच्चे मेरे और मोहसिन के बीच में बाधा बन रहे हो। अगर तुम मोहसिन को तलाक नहीं दोगी, तो मैं तुम्हारी जिंदगी बर्बाद कर दूंगी।5 उसने यह भी धमकी दी कि वह पहले भी दो अधिकारियों को इसी तरह झूठे मुकदमों में फंसा चुकी है।

स्कॉलर ने ही लगाया था यौन शोषण का आरोप, अब खुद घिरी-

गौरतलब है कि आईआईटी स्कॉलर ने पहले एसीपी मोहसिन खान पर यौन शोषण का मामला दर्ज कराया था। लेकिन अब यह मामला उलटता नजर आ रहा है। सुहैला सैफ के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि स्कॉलर यह जानती थी कि मोहसिन शादीशुदा हैं, बावजूद इसके उन्होंने संबंध बनाए रखे। वॉट्सऐप चैट्स में भी यह बात सामने आई है कि स्कॉलर ने सुहैला के गर्भवती होने के दौरान मोहसिन से रिश्ता बनाए रखा, जो उनके वैवाहिक जीवन को तोड़ने की कोशिश का प्रमाण है।

कोर्ट ने दरोगा की भूमिका पर उठाए सवाल

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी एसआई राकेश कुमार की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए। कोर्ट ने कहा कि मीडिया के दबाव और मामले की संवेदनशीलता के कारण पुलिस अपने कर्तव्यों का निष्पक्ष पालन नहीं कर पा रही है। पहले भी एसआई राजेश कुमार बाजपेयी ने जांच के बाद घटना को सत्य पाया था, लेकिन उसके बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई।कोर्ट ने साफ कहा कि यह मामला पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता और कर्तव्य विमुखता का उदाहरण है। कोर्ट ने कहा कि जब सारी जानकारी होने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो यह न्याय की अवहेलना है। अब कोर्ट के आदेश के बाद रावतपुर पुलिस को आईआईटी स्कॉलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी होगी। देखना यह होगा कि पुलिस इस आदेश के बाद कितनी तत्परता से कार्रवाई करती है।

सम्पादकीय

भारत से बेहतर संबंधों हेतु द्वार खुला

कनाडा के आम चुनावों में मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत भारत से संबंधों में सुधार के नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के दौरान कार्नी कहते रहे हैं कि आने वाले समय में भारत से बेहतर रिश्ते बनेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दुराग्रह और पृथक्तावादियों के दबाव के चलते भारत कनाडा संबंध अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गए थे। कार्नी की जीत से उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लौटेंगे। दरअसल, एक अपरिपक्व राजनेता की तरह जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर प्रकरण को जिस तरह तूल दिया, उसके चलते दोनों देशों के संबंध बेहद खराब स्थिति में पहुंचे। हालांकि, भारत सरकार ने निज्जर प्रकरण में हाथ होने के दावों का दृढ़ता से खंडन किया था। लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के राजनीतिक, आर्थिक संबंध और लोगों के आने-जाने का उपक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

निस्संदेह, कार्नी का फिर सत्ता में लौटना संबंधों में सुधार का स्पष्ट संकेत है। वे अपने पूर्ववर्ती के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित आर्थिक विशेषज्ञ, व्यावहारिक राजनेता और बयानों में संतुलन रखने वाले व्यक्ति हैं। दरअसल, हाल के चुनावों में उनका 'मजबूत कनाडा, मुक्त कनाडा' का नारा खूब चला। ट्रंप के टैरिफ वार और बार-बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बयानों ने कनाडा के लोगों में असुरक्षा का भाव भर दिया। कनाडाई जनमानस को पढ़ने में सक्षम कार्नी ने इस मुद्दे को हथियार बनाकर पार्टी की सत्ता में वापसी करा दी। अन्यथा कुछ समय पूर्व पार्टी के पराजय को लेकर दावे किए जा रहे थे। दरअसल, उन्होंने कनाडा को मजबूत करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बहाल करने की बात कही ताकि घरेलू स्थिरता को मजबूत किया जा सके। निश्चित रूप से कार्नी का यह दृष्टिकोण व्यापारिक, रणनीतिक व लोगों को जोड़ने की दृष्टि से भारत के लिये महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ। वीजा में देरी, पढ़ाई के बाद काम की चिंता और कथित रूप से कटुतापूर्ण माहौल ने एक सपनों के गंतव्य स्थल की छवि को धूमिल ही किया। बदले हुए हालात में कार्नी प्रशासन को इस वर्ग को आश्वस्त करने के लिये तेजी से काम करना होगा। वह वर्ग जो कनाडाई अर्थव्यवस्था में अरबों का योगदान देता है तथा उसके कुशल कर्मियों की संख्या को बढ़ाता है। भारत को पिछली कटुता को भुलाकर बेहतर है।

समरस भारतीय समाज बनाने की उम्मीद

उदय सी भाष्कर

आतंकियों से बदला लेना ज़रूरी है, पर उतना ही ज़रूरी यह भी है कि हम समाज के उन तत्वों की पहचान करके उन्हें परास्त करने का संकल्प लें जो एक भारतीय के रूप में हमारी पहचान को धुंधला बनाने की कोशिश में लगे हैं। ऐसा न करने या न कर पाने का मतलब है आतंकियों के इरादों को पूरा करने में मदद करना।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो कुछ हुआ है, उसने जहां एक ओर सारे देश को हिला कर रख दिया है, वहीं दूसरी ओर सारी मनुष्यता को भी शर्मसार कर दिया है। जिस नृशंसता और क्रूरता के साथ बैसरन में आतंकवादियों ने निरपराध सैलानियों का खून बहाया है उससे भारत ही नहीं, दुनियाभर के शांति-प्रिय लोग व्यथित हैं। यह व्यथा तब तक नहीं मिटेगी, जब तक मनुष्यता के खिलाफ अपराध करने वालों को उनके किये की समुचित सज़ा नहीं मिल जाती। हत्या-काण्ड के सात दिन बाद तक अपराधियों का न पकड़ा जाना ज़रूर कुछ निराश करता है, पर इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए कि अपराधी शीघ्र ही अपने किये की सज़ा पायेंगे। उन्हें सज़ा मिलनी ही चाहिए।

पिछले एक अर्से से कश्मीर की घाटी अपेक्षाकृत शांत थी। उम्मीद की जा रही थी कि स्थिति लगातार बेहतर होगी, पर इस हत्या-काण्ड ने ऐसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। फिर भी, इस हत्या-काण्ड पर दुनियाभर में जिस तरह की प्रतिक्रिया हुई है, वह आश्वस्त करने वाली है। सवाल यह उठता है कि जिस तरह से इस सारे काण्ड को रचा गया है उससे आतंकवादियों के मंसूबों के बारे में हम कितना कुछ समझ रहे हैं। जिस तरह नाम पूछ कर, कलमा पढ़वा कर और कपड़े उतरवा कर निरीह सैलानियों को मारा गया है, उससे यह बात तो स्पष्ट हो जाती है कि आतंकवादी कुछ लोगों को, या बहुत सारे लोगों को, मार कर सिर्फ आतंक ही फैलाना नहीं चाहते थे, उनका असली उद्देश्य भारतीय समाज को बांटने का था। कश्मीर में, और शेष भारत में, इस हत्या-काण्ड पर जिस तरह की प्रतिक्रिया हुई है, वह आश्वस्त करने वाली है। कुल मिलाकर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और असम से लेकर गुजरात तक, सारा भारत एक आवाज़ में आतंकवाद के खात्मे की आवाज़ उठा रहा है। लेकिन, ऐसे तत्व भी हैं समाज में जो इन आशंकाओं को बल दे रहे हैं कि कहीं हम उन आतंकवादियों के षड्यंत्र का शिकार न बन जायें जिनका मुख्य उद्देश्य हमें धर्म के नाम पर बांटना ही है। लेकिन जब तक हमारे बीच एक भी हुसैनशाह अथवा 'नज़ाकत चाचा' ज़िंदा है, तब तक एक समरस भारतीय समाज बनाने की हमारी आशा भी ज़िंदा रहेगी।जिन्होंने जान पर खेल कर यह प्रमाणित करने का प्रयास किया कि इंसानियत और उम्मीद अभी ज़िंदा है। कश्मीर में नृशंस हत्याकाण्ड शुरू होने के कुछ ही मिनट पहले नज़ाकत उन सैलानियों के बच्चों के साथ खेल रहा था जिन्हें वह पहलगाम घुमाने लाया था। खेल-खेल में जब सैलानियों के तीन-चार साल के बच्चे ने अपने परिवार के 'गाइड' को नज़ाकत नाम से पुकारा तो बच्चे के पिता ने टोकते हुए कहा था, 'नज़ाकत नहीं, नज़ाकत चाचा कहो बेटा'। और इस नज़ाकत चाचा ने उस परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए अपनी जान की बाज़ी लगा दी थी।

13वीं से पहले- एक संकल्प, एक बदला

पहलगाम नरसंहार

शिवांग अग्निहोत्री

पहलगाम की पवित्र वादियाँ, जो शांति, भक्ति और प्रकृति की मधुरता की प्रतीक रही हैं, हाल ही में एक भयावह आतंकी हमले की गवाह बनीं। निर्दोष हिंदुओं की निर्मम हत्या ने न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ा दी। यह हमला महज़ एक आतंकी कृत्य नहीं था, बल्कि वैश्विक इस्लामी जिहाद द्वारा पोषित उन आतिताइयों का एक नग्न प्रदर्शन था, जो भारत की सभ्यता, अस्मिता और अस्तित्व को ललकार रहा है।

यह स्पष्ट है कि अब प्रश्न मात्र सुरक्षा का नहीं है, बल्कि यह हमारी सभ्यता, सांस्कृतिक अस्मिता और वैचारिक अस्तित्व की रक्षा का है। पहलगाम में हुआ यह रक्तरंजित हमला हमें चेतावनी देता है कि इस युद्ध को केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि मजबूत और निर्भीक वैचारिक उत्तर के साथ ही लड़ा और जीता जा सकता है।

सरकार ने इस अमानवीय कृत्य पर तीव्र प्रतिक्रिया दी है। शीर्ष स्तर पर एक स्पष्ट निर्देश जारी किया गया

है — 13वीं से पहले उन सभी आतंकियों को, जिन्होंने इस बर्बर घटना को अंजाम दिया है, ढूंढ-ढूंढ कर समाप्त कर दिया जाएगा। यह आश्वासन न केवल शहीद परिवारों को सांत्वना देने के लिए है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है। भारत अब केवल निंदा नहीं करेगा, भारत अब निर्णायक प्रतिकार करेगा।

13वीं से पहले केवल एक समय सीमा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय संकल्प है।

यह संदेश है कि भारत अब आतंकवाद से राजनीतिक भाषा में नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म के उच्चतम आदर्शों के साथ निपटेगा। अब लड़ाई आतंकवादियों से है, उनके पालने वाले वैचारिक संगठनों से है, और उन अंतरराष्ट्रीय जिहादी नेटवर्क्स से है जो कश्मीर की धरती को बार-बार लहूलुहान करते रहे हैं।

पहलगाम का यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

भारत की धरती पर अब आतंक की भाषा का उत्तर वज्र और शस्त्र दोनों से दिया जाएगा। अब आवश्यकता केवल जवाब देने की नहीं, बल्कि जिहादी विचारधारा की जड़ों को उखाड़ फेंकने की है — वह भी बिना किसी अपराधबोध के, बिना किसी ढुलमुल नीति के 13वीं से पहले, भारत का नया संकल्प यह है दुष्टता का विनाश, धर्म का संस्थापन और निर्दोषों की रक्षा।

नववर्ष 2025 विज्ञान और तकनीक में

एजेंटिक एआई करेगा कमाल

टेक्नोलॉजी-साइंस

नए साल में एआई की चुनौती भी बढ़ने वाली है। बता दें कि हाइब्रिड कंप्यूटिंग से एआई का विस्तार होता दिखेगा। साल 2025 मे टेक्नोलॉजी और विज्ञान के क्षेत्र में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

अनूप अवस्थी

हाल ही में अमेरिकी आईटी फर्म गार्टनर ने 2025 के लिए टॉप टेक्नोलॉजी ट्रेंड की सूची जारी की है। इस लिस्ट में एजेंटिक एआई से लेकर न्यूरोलॉजिकल इनोवेशन तक को शामिल किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नए साल में किस तरह से यह उभरती टेक्नोलॉजी हमारे एक्सपीरियंस को पूरी तरह बदलने जा रही है। ये टॉप इनोवेशन क्या हैं और वैश्विक आईटी इंडस्ट्री के वर्तमान और भविष्य को किस तरह बदलने की क्षमता रखते हैं, चलिए आपको बताते हैं।

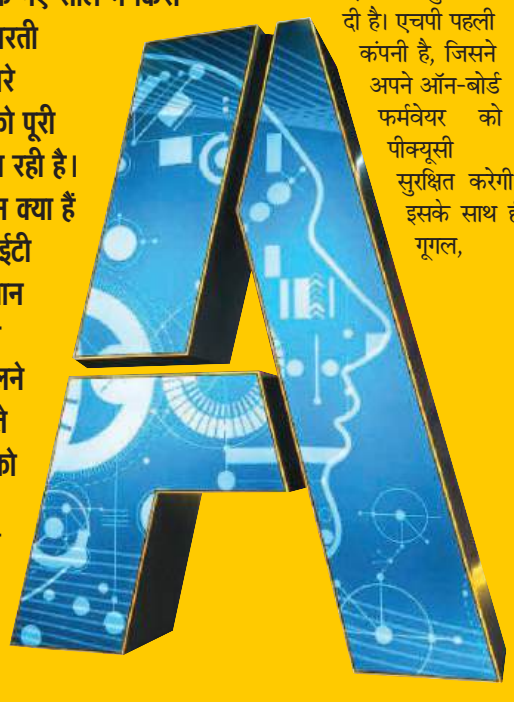

पोस्टक्वांटम क्रिप्टोग्राफी

इसके अलावा आपको, इस साल नई तकनीकी बदलाव में पोस्टक्वांटम क्रिप्टोग्राफी देखने को मिलेगी। क्वांटम कंप्यूटिंग के विकसित होने के साथ ही टेक इंडस्ट्री में अभी के समय एंक्रिप्शन मेथड के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। क्वांटम कंप्यूटर वर्तमान एंक्रिप्शन सिस्टम को आसानी से ब्रेक कर सकते हैं। इसके चलते टेक कंपनियों ने पोस्टक्वांटम क्रिप्टोग्राफी (पीक्यूसी) से निबटने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एचपी पहली कंपनी है, जिसने अपने ऑन-बोर्ड फर्मवेयर को पीक्यूसी सुरक्षित करेगी। इसके साथ ही गूगल, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट भी क्वांटम-प्रतिरोधी एल्गोरिदम विकसित कर रहे हैं। यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी अपने नए पीक्यूसी मानकों की घोषणा कर चुका है।

एआई गर्वनेंस प्लेटफॉर्म

रोजमर्रा की जिंदगी में एआई के बढ़ते प्रयोग के साथ ही इसके संचालन की भी जरूरत महसूस हुई। इसमें कानूनी चुनौतियां अहम है। एआई गर्वनेंस प्लेटफॉर्म 2025 में काफी अहम रहने वाले हैं। इन प्लेटफॉर्म से ही एआई के उपयोग के लिए नीतियां बनाने और प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। इस तरह का प्लेटफॉर्म विकसित करने वाले संस्थानों में एआई के चलते आने वाली चुनौतियां दूसरे संस्थानों की तुलना में 2028 तक 40 प्रतिशत कम हो जाएंगी।

भ्रामक सूचना से सुरक्षा

भ्रामक सूचनाएं आज के समय में एक बड़ी चुनौती बन गई है, इसलिए भ्रामक सूचनाओं से सुरक्षा टेक्नोलॉजी के टॉप ट्रेंड में रहने वाला है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग कारगार साबित होंगे। मेटा ने एआई जनरेटेड कटेंट के बारे में जानकारी देना अनिवार्य कर दिया है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट इसकी पहचान के लिए एडवांस एल्गोरिदम विकसित कर रहे हैं। 2028 तक इस तरह की सेवाएं लेने वाली कंपनियों की संख्या 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

स्पेटियल कंप्यूटिंग

स्पेटियल कंप्यूटिंग एआर, वीआर की मिक्स्ड रिटलिटी की मदद से फिजिकल और डिजिटल दुनिया के बीच के अंतर को कम करती है। डिवाइस चलाने के लिए की-बोर्ड, माउस की जरूरत नहीं रहती। अगले पांच से सात वर्षों में यह तकनीक व्यापक हो जाएगी। इस वर्ष भी इस क्षेत्र में कई अहम इनोवेशन सामने आएंगे।

नए अवतार देखने को मिलेंगे

साल 2025 में एआई नए अवतार के साथ आने वाला है। एआई का नया अवतार एजेंटिक एआई है। दरअसल, यह एक क्वेरी एंड रिस्पॉन्स सिस्टम पर काम करने वाली मशीनी एजेंट है। इसके जरिए काम करने के लिए इंसानी हस्तक्षेप की जरुरत नहीं होगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2028 तक इन्सानों किए जाने वाले रोजमर्रा के कम से कम 15 प्रतिशत काम पर एजेंटिक एआई स्वायत्त रूप से करने लगेगा।

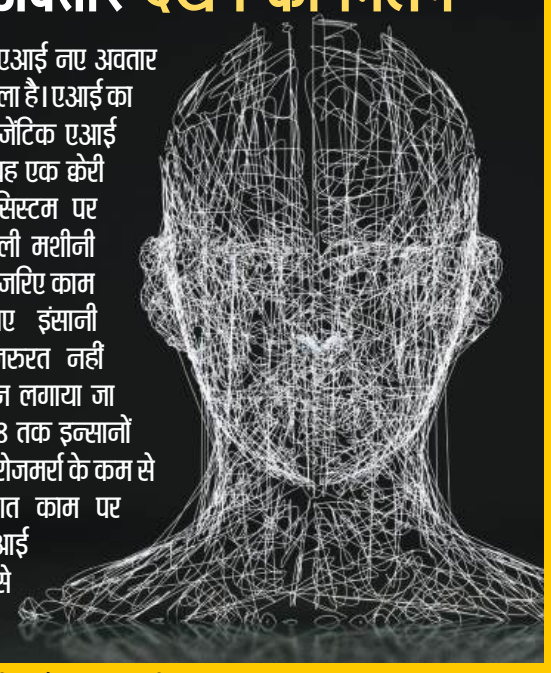

सर्दियों में कई समस्यों से मिलेगी निजात...

रात को सोने से पहले पैर के तलवों पर लगा लें घी

अगर आप रोजाना रात को पैर के तलवों पर घी लगाते हैं, तो सर्दियों में कई समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। घी को पैर के तलवों पर लगाने से कई फायदे होते हैं। चलिए आपको इन फायदों को बारे में बताते हैं।

हेल्थ टिप्स

सर्दियों के दौरान रात को सोने से पहले पैर के तलवों पर घी को मलना काफी फायदेमंद हो सकता है। आमतौर पर सर्दी के समय कब्ज से लेकर ज्वाइंच पेन जैसी कई सारी समस्याएं होने लगती है। अब इनसे निपटने के लिए आप इस उपाय को जरुर कर सकते हैं। इसलिए रोजाना रात को सोने से पहले घी की कुछ बूंदे को उंगालियों पर लेकर तलवों की मसाज करनी चाहिए। इसे हथेली की मदद से तब तक रगड़ें, जब तक कि हथेली गर्म न हो जाए। आइए आपको इसके फायदे बताते हैं।

कब्ज की समस्या दूर होगी

बार-बार कब्ज की समस्या जूझ रहे लोगों को कई बार कब्ज की दवाएं खानी पड़ती हैं, लेकिन फिर भी पेट साफ नहीं होता है। ऐसे लोगों को तलवों पर घी रब करके सोना चाहिए। इसकी मदद से क्रॉनिक कब्ज और हमेशा रहने वाली कब्ज से भी राहत मिलती है।

ज्वाइंट्स पेन में आराम

विंटर सीजन के दौरान ज्यादातर लोगों को जोड़ों में दर्द बना रहता है। पैर के दर्द के साथ ही कंध में दर्द और जकड़न से परेशान रहते हैं। अगर रात को आप भी तलवे पर घी लगाकर मलते हैं, तो ये सारे ज्वाइंट्स स्टिमुलेट होते हैं और दर्द कम होता है।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है

रात को सोने से पहले पैरों के तलवों में घी लगाने से ब्लड सर्कुलेशन भी कम हो जाता है। तलवों पर देसी घी रगड़ने से ब्लड वेसल्स की सिकुड़न दूर होकर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने में मदद मिलती है।

नींद अच्छी आती है

जिन लोगों को नींद नहीं आती है और बेचैनी का शिकार हो रखें, उन लोगों की रात में बार-बार नींद खुल जाती है, तो ऐसे में आप तलवे पर घी मलकर लगा के सोना चाहिए।

वात दोष बैलेंस करता है

आयुर्वेद में बताया गया है कि बीमारियों के लिए तीन चीजें जिम्मेदार है। वो हैं, वात, पित्त और कफ। इन तीन में से जब भी जिस चीज की मात्रा बढ़ती है, तो अलग-अलग बीमारियां होने लगती है। इसलिए पैर के तलवों पर घी से मालिश करने से वात बैलेंस में रहता है।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय के नवाचार की बाराबंकी में चर्चा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। राजधानी लखनऊ के निकटवर्ती जनपद बाराबंकी की सीमाएं राजधानी लखनऊ के साथ, धर्मनगरी अयोध्या, सीतापुर, रायबरेली सहित अन्य जनपदों को छूती है, भौगोलिक दृष्टिकोण से जनपद की विशालता एवं उसके अनुरूप सुविधाओं एवं विकास हेतु सूबे की योगी सरकार ने इसे स्ष्टत्र(स्टेट कैपिटल रिजेन) में शामिल किया है, जमीन की बढ़ती कीमतों के चलते यहां जालसाजों का दबदबा भी बढ़ता जा रहा है, जालसाजों की कमर तोड़ने के लिए नवागत स्क्कअर्पित विजयवर्गीय के नवाचार की चर्चा खूब हो रही है, जानकारों का कहना है कि इस प्रयास से जालसाजों की कमर टूट जाएगी।

दरअसल, सिर्फ जमीन ही नहीं बल्कि अन्य तरह के फोड जैसे लोन दिलाना,नौकरी का झांसा देकर ठगी, सरकारी योजनाओं में धोखाधड़ी या नाम पहचान छुपा कर किसी प्रकार से फॉड करना इन तरह के सभी कृत्यों की जांच अब और सुगम हो जाएगी, क्योंकि बाराबंकी पुलिस अधीक्षक ने एण्टी फाड टीम (स्नञ) का गठन किया गया है, इस टीम में अपर पुलिस अधीक्षक टीम के प्रभारी, क्षेत्राधिकारी अपराध,समन्वयक, प्रभारी अपराध शाखा, प्रभारी साइबर सेल, प्रभारी मॉनीटरिंग सेल सदस्य के रूप में और उ0नि0, हे0का0 व का0 सहायक सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए है।

एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतों की जांच प्रक्रिया में किसी प्रकार की ठगी/जालसाजी की शिकायत प्राप्त होते ही एएफटी 07 दिवस की समय सीमा में जांच पूर्ण करेगी,शिकायत सत्य पायी जाती है तो तत्काल एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु लम्बित शिकायती प्रकरणों की समीक्षा भी की जाएगी,पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा प्रत्येक 15 दिनों में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की जायेगी, ताकि अपराध में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा/गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की जा सके ।इस व्यवस्था में नौकरी का झांसा देकर आम जनता को ठगने वाले व्यक्ति/गिरोह पर विशेष ध्यान,भर्ती, सरकारी व अन्य कार्यों को सुगमता से कराने के नाम पर ठगी करने वालों पर विशेष ध्यान,अधिकारियों से सम्पर्क बता कर ठगी करने वाले व्यक्ति/गिरोह

» स्टेट कैपिटल रिजेन में शामिल जिले में भ्रष्टाचार अपराध और साजिश के मामलों में सख्त एक्शन के निर्देश से हड़कंप

» जानकारों का कहना है कि इस प्रयास से जालसाजों की कमर टूट जाएगी

पर विशेष ध्यान,सरकारी योजना/स्कीम का लाभार्थी बनाने के नाम पर ठगी करने वाले, बहरूपिया बनकर फर्जी पहचान/ऑफिस दर्शाकर ठगी करने वाले, फर्जी डिग्री/एडमिट कार्ड/आधार/ वीजा/पासपोर्ट /अंकतालिका बनाने वालो की पहचान व कार्यवाही,जाली करेंसी/ठगी/ टप्पेबाजी संबंधी ठगी पर,साइबर अपराध व ऑनलाइन ठगी करने वाले संगठनों/व्यक्तियों के विरूद्ध सक्रिय जाँच,महिलाओं/वृद्धो से सहायता के नाम पर ठगी करने वाले गिरोहों पर सख्त कार्यवाही,अन्य संगठित ठगी(सम्पत्ति आदि संबंधित) करने वाले व्यक्ति/गिरोह पर न सिर्फ निगरानी रखी जाएगी बल्कि अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही भी की जाएगी। एसपी अर्पित विजयवर्गीय के अनुसार जालसाजी/ठगी से अर्जित अवैध सम्पत्ति की पहचान कर गैगेस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अन्तर्गत जब्ती की नियमानुसार कार्यवाही भी की जायेगी ।अपराधियों का डाटाबेस व सत्यापन का कार्य भी किया जाएगा, इसके तहत प्रत्येक थाना स्तर पर जालसाजो व ठगों का डाटाबेस तैयार किया जायेगा,विगत वर्षों के जालसाजी/धोखाघड़ी अपराधों से संबंधित अपराधियों का सत्यापन करते हुए आपराधिक इतिहास एवं सक्रियता के आधार पर नियमानुसार गुण्डा/गैगेस्टर एक्ट में कार्यवाही की जायेगी।

डॉ. सुधीर कुमार द्विवेदी 'फिजियो रत्न अवार्ड' से हुए सम्मानित

अलीगढ़ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिला सम्मान

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अलीगढ़ जनपद स्थित गायत्री पैलेस में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन फिजियो गाइड 3 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर द्विवेदी एडवांस्ड फिजियोथैरेपी सेंटर, कानपुर के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार द्विवेदी को फिजियो रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता विजेंद्र यादव (आई.पी.एस.) ने की, जिन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके साथ द्बक्क(इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार झा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. रुचि वैष्णेय, ईस्ट ज़ोन सचिव डॉ. जोजी जॉन, एम्स दिल्ली के डॉ. वी. पी. गुप्ता और डॉ. के. के. शर्मा ने भी मां सरस्वती की वंदना कर पुष्प अर्पित किए।

विजेंद्र यादव ने फिजियोथेरेपी की व्यापक आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज यह चिकित्सा प्रणाली समाज के हर वर्ग के लिए आवश्यक बन चुकी है। उन्होंने फिजियोथेरेपी को आधुनिक जीवनशैली का अहम हिस्सा बताया।

डॉ. संजीव कुमार झा ने केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीन फिजियोथेरेपी सर्कुलर की सराहना करते हुए बताया कि अब पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा, जिससे बैचलर डिग्री धारक फिजियोथैरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से सेवाएं दे सकेंगे।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. रुचि वैष्णेय ने अवगत कराया कि नए नियमों के अनुसार बैचलर डिग्री प्राप्त फिजियोथेरेपिस्ट अब अपने नाम के आगे डॉ. और नाम के पीछे पीटी लगाने के पात्र होंगे।

औरैया के देवकली मंदिर की जमीन हेराफेरी में तीन लेखपाल समेत 10 पर मुकदमा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया/कानपुर। औरैया जनपद के प्रसिद्ध देवकली मंदिर की जमीन हेराफेरी मामला सामने के बाद हड़कंप मचा है । मंदिर की जमीन में की गई अवैध प्लाटिंग में दो प्लाट परिवार व रिश्तेदार के नाम कराने के मामले में सदर कोतवाली व दिबियापुर में दो मुकदमा दर्ज किए गए हैं। कोतवाली में किए गए मुकदमे में तीन लेखपाल समेत 10 के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। जबकि दिबियापुर में मामले में शामिल अधिवक्ता के खिलाफ धोखाखड़ी सहित पांच से अधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस दबिश दे रही है। वहीं देर रात मामले में तीनों लेखपाल को प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। साथ ही अभिलेखागार में तैनात लेखपाल धरमवीर यादव को भी निलंबित कर दिया है।

» राजस्व कर्मियों की मिली भगत से रिश्तेदारों के नाम कर दी गई थी मंदिर की जमीन

» नायब तहसीलदार अशोक कुमार की तहरीर पर दर्ज किया मामला

» जानकारों की माने तो आरोपितों को जेल भी हो सकती है, चार लेखपाल निलंबित

सदर तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक लालाराम की एक तहरीर 25 अप्रैल को प्रशासन की तरफ से इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित किया गया था। लेखपाल अंकित तिवारी व शशांक दुबे ने गांव खानपुर के तत्कालीन लेखपाल अवनीश से मिली भगत कर देवकली मंदिर की जमीन पर की गई प्लाटिंग में दो प्लाट मां व साले के नाम करवाने का आरोप लगाया था। साथ ही अभिलेखागार से अभिलेख चोरी करने का भी आरोप लगा था। मंदिर की जमीन अपने नाम करने का मामला लोगों में चर्चा का विषय बन गया। रविवार देर रात तक मामले में संशोधित तहरीर पुलिस को नहीं मिली थी। सोमवार देर रात करीब 10 बजे नायब तहसीलदार फफूंद अशोक कुमार की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने लेखपाल अंकित तिवारी, शशांक दुबे, अवनीश कुमार सहित सीतू तिवारी, प्रभा देवी, सुमन शुक्ला, जितेंद्र कुमार, अरुण शुक्ला, सुमन देवी मयंक तिवारी के खिलाफ धोखाधडी, कूट रचित दस्तावेज,षडयंत्र करने की सहित सात धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ कर लिया है।

आरोप है कि लेखपालों की मिलीभगत से दोनों प्लाट पर नींव खोद दी गई। डीएम की निर्देश पर की गई जांच में मामला सही पाए जाने पर पाया गया। तहरीर में नायब तहसीलदार ने बताया कि 12 जुलाई 2024 को अरुण व सुमन सहित मयंक तिवारी द्वारा इकरारनामा कर लिया गया।

जो नियमों के विरुद्ध पाया गया। इसमें सुमन देवी लेखपाल अंकित तिवारी की मां है। मयंक तिवारी लेखपाल शशांक दुबे का साला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर कोतवाल ललितेश त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। देवकली चौकी प्रभारी को जांच दी गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं अभिलेखागार में तैनात लेखपाल धरमवीर यादव को भी देर रात निलंबित कर दिया गया है। इनपर लेखागार से दस्तावेज देखने गए अधिवक्ता मदद का आरोप है। मामले की जांच प्रशासन कर रहा है। इस संबंध में लेखपाल शशांक दुबे, अंकित तिवारी से बात करने की कोशिश की तो फोन बंद मिला। लेखपाल अवनीश कुमार ने बताया कि मेरी न तो कोई संपत्ति है और न ही कोई रिश्तेदार शामिल है। हम लेखपाल थे और अपना काम कर रहे थे। लेखपाल धरमवीर यादव से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन हो नहीं सका। एडीएम महेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि अभिलेखागार में तैनात लेखपाल धरमवीर यादव को एसडीएम अजीतमल ने निलंबित कर दिया है।

तीनों लेखपालों को निलंबित कर दिया गया है। मामले में दो अगल-अलग मुकदमा दर्ज करवाए गए है। एक सेक्रेटरी की पत्नी के नाम भी जमीन है। उस पर भी निलंबन की कार्रवाई के लिए विभाग को लिखा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी, डीएम

वीडीओ की पत्नी ने व अन्य ने खरीदा था प्लाट

डीएम के निर्देश पर की गई जांच में सामने आया कि गांव खानपुर स्थित जालौन रोड पर गाटा संख्या 1283 व 1040 आपस में सटे हुए हैं। गाटा संख्या 1283 में अरुण कुमार तिवारी ने 11 जनवरी वर्ष 2013 में अपनी पत्नी सीतू तिवारी के नाम प्लाट खरीदा था। इसके छह दिन बाद 17 जनवरी को ग्राम विकास अधिकारी अरुण कुमार तिवारी के परिवार की प्रभा देवी ने भी एक प्लाट खरीद था। डीएम को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में स्पष्ट है कि इन दो प्लाट के कागजों में हेराफेरी कर तीनों लेखपाल ने परिवार व रिश्तेदार के नाम इकरारनामा करा लिया था।

आरोपियों पर यह धाराएं लगाई गई

आरोपितों के द्वारा जानबूझकर धोखाधड़ी और बेईमानी के साथ जमीन नाम करने के मामले में खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत 420 लगाई गई है। इसमें अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा जालसाजी कर दस्तावेज मूल्यवान जमीन का आपने नाम करने में 467 धारा लगाई गई। जिसमें आजीवन कारावास या 10 वर्ष की सजा व जुर्माना हो सकता है। किसी दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक रिकार्ड को फर्जी तरीके से बनाकर धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल करने में आईपीसी 468 के तहत आजीवन कारावास व आर्थिक दंड का प्रावधान है। इसके अलावा जाली दस्तावेज को असली समझकर प्रयोग करने में पुलिस ने 471 धारा लगाई है। इसमें भी गिरफ्तारी के साथ कड़ी सजा का प्रावधान है। लोकसेवक द्वारा नौकरी के कर्तव्य के तहत दी गई संपत्ति के संबंध में आपराधिक विश्वासघात करने में धारा 409 में भी आजीवन कारावास के साथ जुर्माना का प्रावधान है। मामले में दो से अधिक लोगों के शामिल होने पर धारा 34 लगाया गया है। षड़यंत्र में शामिल होने में पुलिस 120 बी लगाई है। इसमें भी कड़ी सजा का प्रावधान है।

अभिलेख से छेड़छाड़ में दिबियापुर में दर्ज हुआ मुकदमा

देवकली मंदिर की जमीन लेखपालों द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम करने के मामले में जिला प्रशासन ने अभिलेख गायब करने का आरोप लगाया था। मामले में दिबियापुर पुलिस ने राजस्व अभिलेखपाल दिनेश कुमार की तहरीर पर सोमवार देर रात करीब 11 बजे अधिवक्ता जितेंद्र के खिलाफ सरकारी कागज के साथ छेड़छाड़, धोखाधड़ी सहित पांच से अधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर दबिश दे रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पढ़ाई में रट्टा, लगा सकता है बट्टा

» बिना समझे रटकर याद करने की प्रवृत्ति होती है बच्चों में हानिकारक

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रटने से छात्रों की क्रिएटिविटी और सोचने की क्षमता सीमित हो जाती है। वे नए विचारों को अपने दिमाग में नहीं ला पाते हैं और उन्हें कई बार असफलताओं का मुंह देखना पड़ता है।

आज के शिक्षा परिदृश्य में अक्सर देखा जाता है कि शिक्षक बच्चों की याद्दाश्त को मुख्य सफलता मानते हैं। वीडियो और सोशल मीडिया पर यह गर्व के साथ प्रदर्शित किया जाता है कि बच्चे सभी राज्यों, जिलों के नाम या बड़े पहाड़े एक सांस में गिना सकते हैं

हालांकि यह उपलब्धि उनके स्मरणशक्ति को दिखाती है लेकिन क्या यह उनकी समझ और आलोचनात्मक सोच का प्रमाण है।

शिक्षाशास्त्र के अनुसार स्मरणशक्ति शिक्षा का केवल एक चरण है। जब बच्चे केवल जानकारी याद करने तक सीमित रह जाते हैं तो उनकी रचनात्मकता और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता का विकास अवरुद्ध हो सकता है। यह आवश्यक है कि शिक्षण विधियां बच्चों को सोचने, तर्क करने और नए दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दें। शिक्षाशास्त्र में सीखने की प्रक्रिया को तीन चरणों में देखा जाता है ज्ञान, समझ और अनुप्रयोग। तथ्यों को याद करना ज्ञान का हिस्सा है लेकिन इसका असली महत्व तब होता है जब छात्र उन्हें समझने और दैनिक जीवन में लागू करने की क्षमता विकसित करते हैं। जब बच्चा राज्यों और जिलों के नाम याद करता है तो क्या वह यह समझता है कि इन राज्यों की भौगोलिक, सांस्कृतिक या आर्थिक विशेषताएं क्या हैं। क्या पहाड़े रटने से वह गणितीय समस्याओं का समाधान बेहतर ढंग से कर पाता है ? सीखने की प्रक्रिया में, जानकारी को संदर्भ में रखना और उसे दैनिक जीवन से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।

प्रश्न पूछने का माहौल बनाए

शिक्षक छात्रों को जानकारी देने के बजाय उनसे प्रश्न पूछें, जैसे यह जानकारी आपके लिए कैसे उपयोगी हो सकती है?

समूह चर्चा का आयोजन करें

शिक्षक छात्रों को उनके विचार साझा करने और नए दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

तथ्यों को कहानियों से जोड़ें

शिक्षक राज्यों की राजधानियों को याद कराने के बजाय, उनसे संबंधित ऐतिहासिक या सांस्कृतिक कहानियां साझा करें।

प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण-शिक्षक छात्रों को परियोजनाओं में शामिल करें, जैसे कि नक्शा बनाने या दैनिक जीवन में गणित का उपयोग ढूंढने का काम करें।

गलतियों से सीखने का अवसर-बच्चों को गलतियाँ पर विचार करने के लिए प्रेरित करें और सुधार करने के लिए बाध्य करें।

शिक्षकों को यह समझना होगा कि बच्चों की समझ को प्राथमिकता देना ही सही शिक्षा है। केवल स्मरणशक्ति को महत्व देकर हम बच्चों को यांत्रिकता की ओर धकेलते हैं। शिक्षा का उद्देश्य उन्हें ऐसा नागरिक बनाना है, जो समस्याओं को समझ सके और रचनात्मक समाधान दे सके। इसके लिए छात्रों को सभी विषयों को अपने दृष्टिकोण से देखने की स्वतंत्रता दें। संभव हो तो शिक्षकों और माता-पिता के लिए एक सहयोगी वातावरण बनाएं। बच्चों को सवाल पूछने और नई चीजें खोजने के लिए प्रोत्साहित करें। याद्दाश्त केवल पहला कदम है लेकिन समझ, तर्क और रचनात्मकता की मंजिल पर पहुंचना ही सच्ची शिक्षा है। रटने की प्रवृत्ति सीखने के लिए अच्छी नहीं है। छात्रों को चीजों को समझने, उनके बीच संबंध स्थापित करने और ज्ञान को रचनात्मक तरीके से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भार्गव समिति ने किया हवन पूजन

2 मई को अकबरपुर जनकपुरी मैदान में पदारेगे ददरऊआ सरकार महंत देव नारायण दास गौरियापुर

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। अकबरपुर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भार्गव परशुराम सेवा समिति ने हवन पूजन कर जन्मोत्सव मनाया गया ।जिसमें विश्व के कल्याण की कामना की गई। वही 2 मई को होने वाले कार्यकम में मध्यप्रदेश से ददरऊआ सरकार अकबरपुर की जनकपुरी मैदान में पधार कर लोगों को कथा सुना कर कृतार्थ करेंगे। जिसकी अध्यक्षता परमपूज्य श्री श्री 1008 महंत देवनारायण दास जी महाराज गौरियापुर करेंगे ।2 मई को होने वाले भव्य कार्यक्रम में कथाव्यास लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि कार्यकमों का मंचन होगा प्रसाद विरतण भंडारा का आयोजन होगा। परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में आचार्य राजेश दीक्षित, पूर्व अमीन लक्ष्मीकांत दीक्षित, ब्रह्म कुमार द्विवेदी, शिवशंकर शुक्ला, अवधेश तिवारी पूर्व अमीन, श्याम कुमार शुक्ला, मनोज त्रिवेदी, गौरव त्रिपाठी, मनीष तिवारी, भरत मिश्रा, अभि शुक्ला, अंकित अवस्थी, राज द्विवेदी, अमित शुक्ला बिगाही, केशव शुक्ला, पूतू मिश्रा, राहुल तिवारी, उमंग मिश्रा, आयुष त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

डाक्टर ने कहा मरीज को बीमारी नहीं, भूत लगा है!

» अयोध्या में एक निजी अस्पताल का कारनामा, भूत-ओझाई और लाखों की लूट

» पथरी के इलाज में कटी पित्त की नली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बीकापुर क्षेत्र में एक निजी अस्पताल की लापरवाही ने चिकित्सा व्यवस्था की सच्चाई को नंगा कर दिया है। इलाज कराने आई महिला मरीज को न सिर्फ गलत ऑपरेशन का शिकार बनाया गया, बल्कि डॉक्टर उसे भूत बता तांत्रिकों के हवाले कर फरार हो गया। अब पीड़ित किसान अपनी पत्नी का इलाज कराने के लिए खेत गिरवी रख चुका है और इंसाफ के लिए अफसरों के चक्कर काट रहा है।

गौरतलब हो कि बीकापुर तहसील के मजरुद्दीपुर स्थित पीएमटी प्राइवेट हॉस्पिटल में मंगारी गांव निवासी सुनीता देवी को पित्त की थैली में पथरी की शिकायत पर 13 जून 2024 को भर्ती कराया गया। डॉक्टर बालमुकुंद ने उसी दिन ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इलाज के नाम पर लापरवाही का खेल शुरू हुआ। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। 17 दिन तक उसे बेवजह अस्पताल में रखा गया और जब परिजनों ने आपत्ति जताई तो डॉक्टर ने मेडिकल असफलता को छुपाने के लिए कहा - फ्मरीज को बीमारी नहीं, भूत लगा है!

डॉक्टर बालमुकुंद महिला को सुल्तानपुर अपने तांत्रिक गुरु के पास ओझाई कराने ले गया, लेकिन जब वहां भी आराम नहीं मिला तो उसे लखनऊ के एक हॉस्पिटल में भर्ती करवा कर डॉक्टर खुद भाग खड़ा हुआ। पीड़ित पति भगवानदीन ने बताया कि इलाज के नाम पर लगभग दो लाख रुपये वसूले गए और जब लोहिया अस्पताल में असली वजह पता चली तो दिल दहल गया — ऑपरेशन में महिला की पित्त की नली ही काट दी गई थी।

अब मामला एडिशनल सीएमओ प्रदीप पांडेय की जांच में है। भारतीय किसान यूनियन ने अस्पताल संचालक पर पैसे के बल पर जांच प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया है। पीड़ित किसान अब न्याय के लिए भटक रहा है, अपनी पत्नी को लेकर पीजीआई लखनऊ के चक्कर काट रहा है, और खेत तक गिरवी रख चुका है।ये मामला केवल एक मेडिकल लापरवाही नहीं है, ये ग्रामीण भारत की उस कड़वी सच्चाई की चीख है जहाँ अंधविश्वास, निजी अस्पतालों की मनमानी और सिस्टम की सुस्ती मरीज की जिंदगी को खिलौना बना देती है। सवाल ये है कि ऐसे डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

हनुमानगढ़ी के इतिहास में जुड़ा नया अध्याय- 300 साल की परंपरा टूटी

गद्दी नशीन महंत प्रेमदास पहली बार रामलला के दर्शन को निकले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अक्षय तृतीया पर एक अद्भुत और ऐतिहासिक क्षण सामने आया। हनुमानगढ़ी के महंत प्रेमदास ने तीन सदियों से चली आ रही परंपरा को तोड़ते हुए पहली बार मंदिर की सीमा से बाहर कदम रखा और भव्य रथयात्रा के माध्यम से रामलला के दर्शन हेतु निकले। यह घटना धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बता दे कि बुधवार सुबह ठीक सात बजे, अयोध्या की पावन धरती एक विशेष दृश्य की साक्षी बनी।

हाथी, घोड़े, ऊंट और हजारों भक्तों की मौजूदगी में हनुमानगढ़ी के महंत प्रेमदास रथ पर सवार होकर मंदिर से बाहर निकले। यह यात्रा हनुमानगढ़ी से शुरू होकर सरयू तट तक गई, जहाँ महंत ने पवित्र स्नान किया। इसके पश्चात वह राम जन्मभूमि स्थित राम मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने भगवान रामलला को छप्पन भोग अर्पित किए। यह यात्रा लगभग एक किलोमीटर लंबी थी, लेकिन धार्मिक महत्ता और ऐतिहासिक संदर्भ में इसका महत्व अनंत है। महंत प्रेमदास पिछले 30 वर्षों से हनुमानगढ़ी के भीतर ही निवासरत थे और परंपरागत रूप से मुख्य पुजारी को मंदिर से बाहर न जाने का नियम था।

इस परंपरा की जड़ें 18वीं शताब्दी से जुड़ी हैं, जब हनुमानगढ़ी मंदिर की स्थापना हुई थी। गद्दी नशीन महंत को अयोध्या का रक्षक माना जाता है और उनका मंदिर में रहना आवश्यक होता है।

यहां तक कि इतिहास में उन्हें अदालत में पेश होने से भी छूट मिली हुई थी। मान्यता है कि भगवान राम ने हनुमान जी को अयोध्या का राज्य सौंपा था और तब से ही महंत को हनुमान जी का प्रतिनिधि माना जाता है। हनुमानगढ़ी का संविधान जो करीब 300 वर्ष पुराना है—इस नियम को विधिवत लिखित रूप में मान्यता देता है। 1855 में अवध के नवाब वाजिद अली शाह द्वारा इस मंदिर को भूमि दान की गई थी, जो इस परंपरा की ऐतिहासिक पुष्टि करता है।

महंत के सपने में आते रहे हनुमान जी महाराज

महंत प्रेमदास ने बताया कि उन्हें बीते कुछ महीनों से बार-बार भगवान हनुमान के दर्शन स्वप्न में हो रहे थे। स्वप्न में उन्हें राम मंदिर जाकर रामलला के दर्शन करने का आदेश मिला। इसे दिव्य संकेत मानकर उन्होंने निर्वाणी अखाड़े की 400 सदस्यीय पंचायत से अनुमति मांगी। 21 अप्रैल को हुई बैठक में सर्वसम्मति से उन्हें अनुमति दे दी गई।

महंत का यह निर्णय न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला अवसर है जब हनुमानगढ़ी की ओर से ऐसा धार्मिक जुड़ाव सार्वजनिक रूप से हुआ है।

राममंदिर आंदोलन से दूर रहा हनुमान गढ़ी

ज्ञात हो कि हनुमानगढ़ी, अपनी धार्मिक तटस्थता और परंपरागत भूमिका के चलते राम मंदिर आंदोलन से हमेशा दूरी बनाए रखी थी। लेकिन आज, रामलला के दर्शन के लिए महंत का जाना इस ओर संकेत करता है कि अयोध्या की आस्था एक नए समन्वय और युग की ओर बढ़ रही है।

सड़क निर्माण के नाम पर पीडब्ल्यूडी कर रहा है खिलवाड़

» दूंदीपुर के खानपुर गांव में जहां पर एनएचएआई 731 से खानपुर गांव नहर तक लगभग 1 किलो मीटर रोड का निर्माण किया गया है

» डामर का प्रयोग ऐसे जैसे चटनी...

उच्च अधिकारियों तक इसकी शिकायत पहुंचाई लेकिन आरोप है कि समस्त कार्यवाही कमीशन के देर के नीचे दब गई। मामला बाराबंकी जनपद के त्रिवेदीगंज ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले दूंदीपुर के खानपुर गांव का है जहां पर एनएचएआई 731 से खानपुर गांव नहर तक लगभग 1 किलो मीटर रोड का निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराया जा रहा है और यह निर्माण कार्य कुछ अलग ही तरीके से कराया जा रहा है।

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा लगभग 1 किलोमीटर के आस -पास जो निर्मित सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है यह निर्माण मानकों को ताक पर रखकर गुणवत्ता विहीन तरीके से किया जा रहा है । ग्रामीणों ने यह आरोप लगाते हुए

ग्रामीणों का आरोप है कि तेजधूप गरम होने के बाद भी डामर इतने कम मात्रा में डाला जा रहा है कि समस्त गिट्टी निकल कर बिखर रही है। इसमें या तो डामर की कमी है या फिर रोलर द्वारा इसकी ढंग से कुटाई नहीं हो पा रही है यह तो जिम्मेदार अधिकारी ही बता सकते हैं। आखिर क्या कारण है कि गिट्टी सेट नहीं हो पा रही है ग्राम प्रधान द्वारा इसकी लिखित शिकायत भी की गई और पटरी भराई का कार्य स्वयं ग्राम प्रधान ने कराया है ।

फिलहाल समस्त मामले को लेकर जब पीडब्ल्यूडी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से बात की गई तो किसी के द्वारा भी संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया जिम्मेदार अधिकारियों की बयान बाजी से यह साफ जाहिर हो रहा है कि सब कमीशन का कमाल है ग्रामीणों ने बताया कि यदि इस रोड का सही ढंग से निर्माण कार्य नहीं हुआ तो हम भारतीय किसान यूनियन के संगठनों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन भी करेंगे फिलहाल इस रोड निर्माण का कौन है ठेकेदार आखिर विभागीय अधिकारी क्यों मानक विहीन तरीके से निर्माण करने वाले ठेकेदार को बचा रहे हैं यह तो जिले के उच्च अधिकारी ही बता सकते हैं ।

शौच के लिए गए युवक की तालाब में डूब कर मौत

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। शौच के लिए गए युवक का तालाब में उतराता मिला शव विकास खंड निंदूरा के ममरखापुर मजरे सालेहपुर के शिवकुमार पुत्र सियाराम उम्र करीब 35 वर्ष कल शौच के लिए घर से निकाला था, काफी देर तक जब घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने इधर-उधर पूंछ तांछ व तलाश शुरू कर दी। लेकिन शिवकुमार का कहीं पता नहीं चल सका, आज सुबह गांव के बाहर ग्रामीणों ने तालाब के बाहर शव उतराता देखा जिससे गांव में कोहराम मच गया। मौके पर जब परिजन पहुंचे तो देखा शव शिव कुमार का है। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि कल युवक शौंच के लिए गया था। तभी पानी में डूब कर युवक की मृत्यु हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

अनुच्छेद 370 से लेकर नोटबंदी जैसे मामलों पर लिए बड़े फैसले

जस्टिस बीआर गवई बनेंगे भारत के 52वें सीजेआई

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बी.आर. गवई) 14 मई 2025 से भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनकी नियुक्ति मौजूदा सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना की सिफारिश और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद 29 अप्रैल 2025 को हुई। जस्टिस गवई, जस्टिस के.जी. बालाकृष्णन के बाद देश के दूसरे दलित सीजेआई होंगे। उनका कार्यकाल 23 नवंबर 2025 तक, यानी लगभग छह महीने का होगा। अनुच्छेद 370, नोटबंदी जैसे ऐतिहासिक मामलों में उनकी भूमिका और अन्य बड़े फैसलों ने उन्हें एक प्रभावशाली न्यायाधीश के रूप में स्थापित किया है। नीचे उनके प्रमुख फैसलों का विवरण दिया गया है।

जस्टिस गवई ने सुप्रीम कोर्ट में कई संवैधानिक और सामाजिक महत्व के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कुछ उल्लेखनीय फैसले निम्नलिखित हैं। दिसंबर 2023 में, जस्टिस गवई पांच जजों वाली संवैधानिक बेंच का हिस्सा थे, जिसने केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा। इस फैसले ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा समाप्त करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की संवैधानिकता को मंजूरी दी। यह भारत के प्रशासनिक और राजनीतिक ढांचे में एक ऐतिहासिक बदलाव था।

जनवरी 2023 में, जस्टिस गवई उस पांच जजों वाली संवैधानिक बेंच में शामिल थे, जिसने केंद्र सरकार के 8 नवंबर 2016 को 500 और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने के फैसले को 4:1 के बहुमत से संवैधानिक ठहराया। इस फैसले ने नोटबंदी की प्रक्रिया और इसके उद्देश्यों (काले धन और नकली मुद्रा पर अंकुश) को वैध माना।

बुलडोजर कार्रवाई

2024 में, जस्टिस गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने अवैध निर्माण या दंडात्मक कार्रवाई के नाम पर बुलडोजर से संपत्ति ध्वस्त करने के खिलाफ देशव्यापी दिशानिर्देश जारी किए। फैसले में अनिवार्य नोटिस और 15 दिन के अंतराल की शर्त रखी गई, जिसने कार्यपालिका की मनमानी पर अंकुश लगाया। 2022 में, जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने राजीव गांधी हत्याकांड के छह दोषियों को 30 साल से अधिक की सजा के बाद रिहा करने का आदेश दिया। यह फैसला तमिलनाडु सरकार की रिहाई की सिफारिश और राज्यपाल की निष्क्रियता के आधार पर लिया गया। 2024 में, जस्टिस गवई सात जजों वाली बेंच का हिस्सा थे, जिसने अनुसूचित जाति के आरक्षण में उप-वर्गीकरण को मंजूरी दी।

इलेक्टोरल बॉन्ड योजना

2023 में, जस्टिस गवई पांच जजों वाली बेंच का हिस्सा थे, जिसने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित कर रद्द कर दिया। इस योजना के तहत राजनीतिक दलों को गुमनाम चंदा मिलता था, और इस फैसले ने राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया।

मोदी सरनेम केस

जस्टिस गवई उस बेंच में शामिल थे, जिसने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम' मामले में राहत दी। इस फैसले ने उनकी सजा पर रोक लगाई, जिसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हुई। जस्टिस गवई सात जजों वाली बेंच का हिस्सा थे, जिसने फैसला दिया कि स्टैंप एक्ट के तहत बिना स्टैंप ड्यूटी वाले समझौते अवैध हैं। यह वाणिज्यिक और कानूनी लेनदेन में स्पष्टता लाने वाला फैसला था।

200 से ज्यादा नेताओं ने छोड़ दी सुभासपा

बड़ी बगावत: ओपी राजभर ने उन्हें बताया जाहिल

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर को बड़ा झटका लगा है। ओपी राजभर की पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) में बड़ी बगावत हो गई है। ओपी राजभर पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए सभासपा के करीब 200 नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। इन नेताओं ने राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी भी ज्वाइन कर ली है। इतनी बड़ी बगावत पर ओपी राजभर का गुस्सा भी फूटा है। उन्होंने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को जाहिल कह दिया है। राजभर ने पार्टी छोड़ने वालों पर ही उल्टा कई आरोप लगा दिए हैं।

बताया जाता है कि सुभासपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के तमाम बड़े पदाधिकारियों ने एक साथ इस्तीफा दिया है। यूपी के अलग अलग मंडलों में सुभासपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के 200 से ज्यादा पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में से एक अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री जाफर नकवी ने ओपी राजभर पर पर मुस्लिम नेताओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। कहा कि मुस्लिमों को टारगेट किया जा रहा है लेकिन राजभर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। दावा किया कि लगातार मुस्लिमों को टारगेट करने के मामले को लेकर सुभासपा में बगावत हुई है।

सुभासपा के कई मुस्लिम नेताओं ने ओम प्रकाश राजभर से नाराज होकर पार्टी छोड़ी है। एक पत्र में कहा गया कि ओम प्रकाश राजभर लगातार सहयोगी दल होने के बावजूद अल्पसंख्यक की आवाज वह दबा रहे हैं। पत्र में आरोप लगाया गया कि मजारों और मदरसों पर हो रही कार्यवाही पर भी ओम प्रकाश राजभर खामोश हैं। इन मामलों में भी राजभर मुसलमानों के खिलाफ बोल रहे हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि मंत्री पद की लालच में ओम प्रकाश राजभर मुसलमानों का हक छीन रहे हैं।

वहीं नेताओं के आरोप और पार्टी छोड़ने पर सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने कहा कि यह जाहिल लोग हैं। यह लोग अलग-अलग पार्टियों में ठेका-पट्टा और ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए घूमते हैं। जब घूम-घूमकर बात नहीं बनती है तो कोई न कोई चर्चा में बने रहने के लिए इस तरह का काम करते हैं। राजभर ने कहा कि जैसे लोग दुख भगाने के लिए हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, उसी तरह अब लोग ओमप्रकाश चालीसा पढ़ रहे हैं।

गैंगस्टर एक्ट में कुर्क होगी गुलशन यादव की संपत्ति

योगी सरकार ने कसा शिकंजा: गाड़ी, बंगला, बैंक बैलेंस, सब जब्त, राजाभैया के खिलाफ लड़ चुके हैं चुनाव

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतापगढ़ के जिलाधिकारी ने गुलशन यादव की बेशकीमती करोड़ों की भूमि समेत लक्जरी गाड़ियों और अन्य संपत्ति को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। गुलशन यादव के खिलाफ प्रतापगढ़ के कुंडा, मानिकपुर सहित कई थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, गुंडा एक्ट, आर्म्स एक्ट, विस्फोट अधिनियम व गैंगस्टर जैसे 53 अभियोग पंजीकृत हैं। गुलशन यादव 2022 में राजाभैया के खिलाफ कुंडा विधानसभा से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं।

जिलाधिकारी ने बुधवार को गुलशन यादव के खिलाफ धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के अंतर्गत कठोर कदम उठाते हुए लग्जरी वाहन, आवासीय जमीन और बैंक खाता कुर्क करने का आदेश जारी किया है। आरोप है कि थाना कुंडा के गैंगलीडर गुलशन यादव पुत्र स्व. सुंदरलाल यादव निवासी मऊदारा थाना मानिकपुर प्रतापगढ़ ने आपराधिक कृत्य के जरिए अवैध स्रोतों से अर्जित चल-अचल संपत्ति अर्जित की है, जिसकी अनुमानित लागत सात करोड़ 15 हजार 502 रुपये कुर्क करने का आदेश जारी किया है।

दस्तक, लखनऊ, गाजियाबाद सहित खंगाले सात ठिकाने

बढ़ी मुश्किलें: अंसल ग्रुप के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त तेवरों के बाद से रियल स्टेट कंपनी अंसल एपीआई की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। अंसल ग्रुप के जिम्मेदारों के खिलाफ एक ओर जहां कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, वहीं आयकर विभाग के बाद अब ईडी ने भी छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय ने अंसल ग्रुप के लखनऊ, दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम यूपी रेरा की रिपोर्ट के आधार पर जांच में जुटी हुई है। रेरा की रिपोर्ट में 6 अरब से ज्यादा रुपये के गबन करने का मामला सामने आया है। साथ ही निवेशकों से धोखधड़ी के आरोपों की जांच भी कर रही है।

बीते दिनों आयकर विभाग ने अंसल एपीआई कंपनी के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। आयकर विभाग की टीम ने लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल ऑफिस के साथ ही निदेशकों के आवास पर भी छापेमारी की थी। उस समय सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई थी कि अंसल ग्रुप लगातार अपना आयकर ब्यौरा जमा करने में गड़बड़ियां कर रहा है। अब इसी क्रम में अंसल एपीआई कंपनी को ईडी की छापेमारी का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि अंसल एपीआई ने हाउसिंग प्रोजेक्ट्स से मिले फंड का गलत इस्तेमाल किया है।

कंपनी ने 6 अरब से ज्यादा की रकम को अन्य जगहों पर भेज दिया है। कंपनी के प्रणव और सुशील पर सरकारी जमीन की अवैध बिक्री, धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप लगे हैं। लखनऊ में इस ग्रुप के खिलाफ 65 से ज्यादा मुकदमें दर्ज है। कंपनी को दिवालिया घोषित कर एनसीएलटी में सीआईआरपी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

यूपी विधानसभा में सीएम योगी ने दिया था बयान

बता दें कि सीएम योगी ने विधानसभा के बजट सत्र में अंसल ग्रुप के मामले पर अपना पक्ष रखा था। सीएम योगी ने इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी पर भी जोरदार हमला बोला था।

सीएम योगी ने अपने बयान में कहा था कि अंसल ने एक भी खरीदार के साथ धोखा किया तो उसकी सारी संपत्ति जब्त कर लेंगे। साथ ही दोषियों को पाताल से भी खोज लाकर उन्हें सजा दिलाने की बात कही थी। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए यह भी कहा कि अंसल ग्रुप समाजवादी पार्टी की ही उपज थी। सपा के समय ही अंसल की अवैध मांगों को पूरा किया गया था। निवेशकों एवं घर खरीदारों के साथ धोखा किया गया है।